लापरवाही से बदल रही नदी की धारा, अफसरों को नहीं परवाह

बारिश में शहर के लिए मुसीबत बनेगी जीवन दायिनी, वैनगंगा नदी में नियमों और अधिकारों का अतिक्रमण कर किया जा रहा खनन

सिवनी नवभारत। जिले के छपारा तहसील मुख्यालय के किनारे से बहने वाली जिले की जीवनदायिनी वैनगंगा नदी से सिल्ट निकालने का आदेश अब विभाग के लिए गले की फांस बनता जा रहा है। वहीं आने वाले दिनों में छपारा शहर के लिए भी जलभराव क्षमता बढ़ाने का यह कथित आदेश परेशानी का सबब बन सकता है। मानसून के मुहाने पर खड़े शहरी अब आने वाले दिनों की चिंताओं को लेकर परेशान हैं। डूब क्षेत्र में आने वाले छपारा में इस खनन से अधिकारियों की मंशा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। जिस तरह बिना किसी व्यवस्थित देखरेख के बेतरतीब तरीके से नदी को छलनी किया जा रहा है वह भी सवालों के दायरे में है। पर्यावरण को होने वाली संभावित क्षति को लेकर अब पर्यावरण प्रेमी भी इस मामले को सभी संभव मंचों पर ले जाने की बात कह रहे हैं। वहीं अधिकारी अपनी खामियों को छिपाने के लिए अलग-अलग तर्क दे रहे हैं।

छपारा मुख्यालय के किनारे वैनगंगा नदी बहती है। मई माह की 11 तारीख को मध्यप्रदेश गौण कनिज अधिनियम 1996 के प्रावधान अनुसार छपारा नगर परिषद के सीएमओ को सिंचाई विभाग के कार्यपालन यंत्री पीएन नाग ने लोक प्रायोजन के चलते सिल्ट (गाद) निकालने की अनुमति दी। जिसके बाद नगर परिषद के द्वारा छपारा नगर के किनारे से बहने वाली वैनगंगा नदी में सिल्ट की खुदाई शुरु कर दी गई। आलम यह रहा कि दर्जनों ट्रकों, डंपर और कई जेसीबी के जरिए खुदाई शुरु कर दी गई। इस दौरान बेतरतीब तरीके से नदी में खनन शुरु कर दिया गया। काफी सारी मिट्टी बाहर पहुंचा दी गई वहीं कई डंपर मिट्टी को नदी के एक किनारे पर सिंचाई विभाग की जमीन पर जमा कर रख दिया गया। जिससे नदी का एक किनारा काफी ऊंचा और दूसरा निचला हो गया है। इसके साथ ही नदी के किनारे को पाटकर वहां पर सिल्ट जमाई जा रही है। छपारा के बीच से निकलने वाले एक नाले की दिशा भी मोड़ दी गई है और वैनगंगा की भी दिशा में बदलाव किया जा रहा है। वैनगंगा में सिल्ट निकाले जाने की अनुमति को लेकर मंशा पर कई सवाल उठ रहे हैं। वैनगंगा से निकाली जाने वाली सिल्ट का कोई हिसाब नहीं रखा जा रहा है। कितने, किसके डंपर खनन कर रहे हैं। इसकी कोई सूची नहीं बनाई जा रही है। इसके साथ ही खनन किस स्थान पर, कैसे और कितना किया जाएगा इसकी भी निगरानी नहीं रखी जा रही है। नदी के किनारे सिल्ट को डंप किया जा रहा है। जिससे भविष्य में अतिक्रमण की संभावना बनी हुई है।

जिस बड़े पैमाने में वैनगंगा नदी में सिल्ट के नाम पर उत्खनन किया जा रहा है उसकी कोई निगरानी न तो सिंचाई विभाग और ना ही नगर परिषद के द्वारा की जा रही है। कितने वाहन इस काम में लगे हैं, कितनी अबतक खुदाई हो चुकी है इसकी कोई जानकारी नहीं दी जा रही है। आमतौर पर ये सिल्ट काफी उपजाऊ होती है जिसे किसानों के खेतों में दिया जाना चाहिए लेकिन यहां पर निकाली जा रही सिल्ट को एक स्थान पर जमा किया जा रहा है। सिंचाई विभाग की इस जमीन में पहले से ही अतिक्रमण कर कई पक्के निर्माण कार्य किए जा चुके हैं लेकिन बावजूद इसके विभाग की चुप्पी सवाल खड़े करती है। पिछले दिनों खुदाई करते हुए कुंभकारों के लिए सुरक्षित भूमि पर भी जेसीबी पहुंच गई थी जिसके बाद काफी विवाद की स्थिति बनी थी।

नदी की मुड़ रही है दिशा

छपारा में पुल और घाट के पास एक स्थान पर बड़ी मात्रा में नदी से निकाली जा रही मिट्टी को जमा किया जा रहा है। इससे नदी की दिशा मुड़ जाने की आशंका बनी हुई है। एक ओर का तट ऊंचा हो जाने से दूसरी ओर के खेतों और घरों में पानी घुसने की आशंका है। वहीं नदी में मिलने वाले एक नाला की भी दिशा मोड़ी जा रही है। जिससे जलभराव के दिनों में पानी शहर में घुसने की आशंका है।

इसलिए उठ रहे हैं सवाल

इस पूरी कार्रवाई में कई सवाल खड़े हो रहे हैं। चूंकि छपारा का यह वैनगंगा तट डूब क्षेत्र में आता है। गोंडवाना शासन काल की बनी गढ़ी लगभग आठ महीने डूब में रहती है। इस तरह के बांध अक्सर आगामी एक सौ बरसों की योजना को लेकर बनाए जाते हैं। ऐसे में डूब क्षेत्र से सिल्ट निकाले जाने की अनुमति देने की योजना शासन स्तर से बनाई जाती है। विभाग के अधिकारी जिन नियमों के आधार पर अनुमति की बात कर रहे हैं वे खनिज विभाग के लिए हैं। वहीं गौण खनिज के आधार पर सिल्ट की अनुमति दी गई है जबकि यह भूमि आर्द भूमि के तहत आती है। सिल्ट को एक स्थान पर एकत्र किए जाने को लेकर अधिकारी जानकारी नहीं होने की बात कह रहे हैं। जरूरी है कि इस मामले पर आवश्यक कदम शीघ्र उठाए जाएं नहीं तो आने वाले दिनों में आम लोगों की परेशानी बढ़ सकती है।

इनका कहना है

खनन की अनुमति नगर परिषद के आवेदन पर दी गई है। सिल्ट निकालकर कहां डंप की जा रही है इसकी जानकारी नहीं है। हमारे विभाग में कर्मचारियों की कमी है इस कारण वहां कोई कर्मचारी तैनात नहीं है। यदि भविष्य में अतिक्रमण का प्रयास किया जाता है तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

-पीएन नाग, कार्यपालन यंत्री, सिंचाई विभाग

मैंने हाल में ही ज्वाइन किया हूं। इस संबंध में अधिक जानकारी नहीं है। आपके द्वारा संज्ञान में लाने के बाद में खुद मौके पर जाकर मुआयना करूंगा। यदि कुछ गलत हो रहा है तो दोषियों पर कार्रवाई के लिए अनुसंशा की जाएगी।

-उदय सिंह परते, सीईई, सिंचाई विभाग

आगामी पर्वों के मद्देनजर शांति समिति की बैठक आयोजित

सिवनी नवभारत। आगामी पर्वों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना की अध्यक्षता में पुलिस कंट्रोल रूम में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी, अपर कलेक्टर सौएल चनाप, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा सहित शांति समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि, विभिन्न धर्मों के गणमान्य नागरिक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने जुलूस मार्गों पर एंबुलेंस एवं चिकित्सकीय टीम की उपलब्धता सुनिश्चित करने, मार्गों की साफ-सफाई कराने तथा बिजली के तारों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना की संभावना न रहे।

बैठक में सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। नागरिकों से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की भ्रामक, आपत्तिजनक अथवा अफवाह फैलाने वाली पोस्ट न करें और न ही उन्हें साझा करें। प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली आपत्तिजनक सामग्री पर सतत निगरानी रखी जाएगी।

मोहर्रम को लेकर बनी सहमति

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी मोहर्रम पर्व के दौरान ताजिया एवं अखाड़ा जुलूस पूर्व निर्धारित मार्गों से ही निकाले जाएंगे। सभी से अपील की गई कि जुलूस के दौरान तेज आवाज में डीजे का उपयोग न किया जाए तथा किसी भी धार्मिक स्थल के सामने ऐसे गीत या संगीत का प्रसारण न हो, जिससे किसी अन्य धर्म या समुदाय की भावनाएं आहत हों। ताजिया विसर्जन केवल प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थलों पर किए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही विसर्जन स्थल दल सागर में समुचित प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

एक नजर में

साहू (गोल्हानी) समाज का मिलन एवं पदभार ग्रहण 23 को

लखनादौन। 23 जून मंगलवार को नगर लखनादौन में एक भव्य आयोजन होने जा रहा है। मिलन एवं पदभार ग्रहण समारोह में छिंदवाड़ा सांसद विवेक (बंटी) साहू, एवं प्रभात साहू पूर्व महापौर जबलपुर के मुख्य आतिथ्य में विधायक सिंगरौली रामनिवास शाह एवं पूर्व तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष रवि करण साहू विशिष्ट आतिथ्य एवं साहू समाज के जिला अध्यक्ष सिवनी गुलाब साहू अध्यक्षता करेंगे। जानकारी में प्राप्त हुआ है कि बालाघाट, छिंदवाड़ा एवं जबलपुर जिलों से भी अतिथियों का आगमन होगा। इस मिलन एवं पदभार ग्रहण समारोह में छपारा धनोरा घंसौर लखनादौन केवलारी सिवनी बरघाट के स्वजातिय बंधुओं को भी आमंत्रित किया गया है। विगत माह लखनादौन नगर गोल्हानी साहू समाज का चुनाव संपन्न हुआ जिसमें सर्वसम्मति से निर्विरोध अनिल कुमार गोल्हानी (सिहोरा वाले)को अध्यक्ष चुना गया। उपाध्यक्ष आनंद कुमार गोल्हानी कैलाश गोल्हानी एवं संजय कुमार गोल्हानी, कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोल्हानी सचिव जगदीश प्रसाद गोल्हानी सह सचिव जगदीश साहू को चुना गया है। 23 जून मंगलवार को दोपहर 1:00 से नगर के हनुमान मंदिर के समीप स्थित सात फेरे लान में बड़ी धूमधाम एवं भव्यता के साथ मिलन समारोह आयोजित होने जा रहा है जिसमें अतिथियों के द्वारा सभी पदाधिकारी को पदभार ग्रहण कराया जाएगा।

विधायक किसान सम्मान निधि कार्यक्रम में हुए सम्मिलित

सिवनी। दिनेश राय मुनमुन ने शनिवार, को किसान सम्मान निधि हस्तांतरण, प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं कृषक संगोष्ठी कार्यक्रम में सहभागिता की। यह कार्यक्रम सिवनी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र प्रांगण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान नरेन्द्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि की 21वीं किश्त के तहत लाभार्थी किसानों के बैंक खातों में राशि का वर्चुअल हस्तांतरण किया गया। इसके उपरांत प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें विधायक दिनेश राय मुनमुन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद विभागीय अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। अपने संबोधन में विधायक दिनेश राय मुनमुन ने कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं और कृषि केवल व्यवसाय नहीं बल्कि जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी किसान परिवार से आते हैं और खेती की चुनौतियों तथा बदलावों को करीब से समझते हैं। उन्होंने बताया कि तकनीकी विकास के कारण आज कम भूमि में भी अधिक उत्पादन संभव हो सका है, जिससे किसानों की समृद्धि बढ़ी है। उन्होंने कहा कि खेती में प्रगति के साथ नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से भूमि की उर्वरता प्रभावित हो रही है और इसका असर स्वास्थ्य पर भी दिखाई दे रहा है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए धरती को सुरक्षित रखने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित मकानों में हितग्राहियों का कराया गया गृह प्रवेश एवं भूमिपूजन

सिवनी। 19 जून को नगर पालिका परिषद सिवनी द्वारा निकाय क्षेत्र अंतर्गत अंबेडकर वार्ड क्रमांक 22 में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राही श्रीमति मेहती बाई रजक, श्रीमति गुलाबा बाई यादव, श्रीमति प्रेमा बाई के प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नवनिर्मित 03 मकानों में उनका गृह प्रवेश करवाया गया साथ ही बिंदु गोसाई के मकान का भूमिपूजन करवाया गया। गृह प्रवेश के दौरान निकाय के सहायक यंत्री श्रीमति देवेश्वरी धुर्वे, सहायक लिपिक शुभम मालवी द्वारा पात्र हितग्राहियों के गृह प्रवेश पर उन्हे बधाई दी गई।

आर्यिका मां का हुआ लखनादौन आगमन

लखनादौन नवभारत। आचार्य गुरुवर श्री 108 विद्यासागर जी महाराज आचार्य गुरुवर श्री 108 समय सागर जी महाराज आचार्य गुरुवर श्री 108 विवेक सागर जी महाराज की आज्ञानुवर्ती शिष्या आर्यिका रत्न श्री 105 विज्ञान मति माताजी ससंघ का धर्म नगरी लखनादौन में आगमन हुआ. सर्वप्रथम आर्यिका मां ने सुपार्श्वनाथ जिनालय में विराजमान चतुर्थ कालीन प्रतिमा मूलनायक देवाधिदेव श्री 1008 सुपार्श्वनाथ भगवान जी के दर्शन किये, आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण किया दीप प्रज्वलन कर पूज्य माताजी को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य सभी श्रावकों को प्राप्त हुआ। पारसनाथ धर्मशाला में पूज्य माताजी के मंगल प्रवचन हुए।

सप्तम प्रतिमा धारी कवि श्री चंद्रसेन जैन जी का सानिध्य जैन समाज को मिला। आर्यिका संघ के सानिध्य में कल कुंडलपुर श्री बड़े बाबा विधान का आयोजन का आयोजन होगा। जैन पंचायत महासभा के अध्यक्ष श्री विजय जैन जी ने कवि चंद्रसेन जैन का तिलक वंदन किया। इस कार्यक्रम में सकल दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष श्री विजय जैन बल्ली उपाध्यक्ष श्री संदीप जैन बंटी समाज के वरिष्ठ श्री राजकुमार जी जैन श्री चौधरी देवेंद्र कुमार जी जैन पंचायत महासभा व सम्पूर्ण सकल दिगंबर जैन समाज ने इस कार्यक्रम में धर्म लाभ लिया। आर्यिका संघ के आगमन से मे संपूर्ण समाज में खुशी की लहर छा गई चारों ओर धर्ममय वातावरण रहा।

प्राकृतिक खेती अपनाने किसानों को किया प्रेरित, प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का हुआ आयोजन

नवभारत न्यूज

सौसर 20 जून. प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत रामाकोना में शनिवार को प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों, मास्टर ट्रेनरों एवं क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों द्वारा प्राकृतिक खेती के विभिन्न आयामों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा किसानों को रसायन मुक्त कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

वैज्ञानिक पद्धतियों और मिट्टी परीक्षण पर जोर

कार्यशाला के प्रारंभ में जेडएआरएस छिंदवाड़ा के कृषि वैज्ञानिक डॉ. गौरव महाजन ने उपस्थित किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व, मिट्टी परीक्षण की आवश्यकता तथा संतुलित उर्वरकों के उपयोग के संबंध में तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने कृषि उत्पादन और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आधुनिक वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने पर विशेष जोर दिया।

शासन की योजनाओं से कराया अवगत

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप मोहोड़ ने किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती से संबंधित शासन की विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने किसानों द्वारा लगाई गई कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन कर उनके नवाचारों और प्रयासों की सराहना की।

देशी गाय आधारित कृषि प्रणाली और प्राकृतिक खाद निर्माण

जिला प्राकृतिक खेती संयोजक राजेंद्र भक्ते ने प्राकृतिक एवं परंपरागत खेती के महत्व तथा देशी गाय आधारित कृषि प्रणाली पर प्रकाश डाला। वहीं, मास्टर ट्रेनर मोरेश्वर मर्सकोले ने किसानों को जीवामृत, घन जीवामृत, निम्नास्त्र एवं ब्रह्मास्त्र जैसे जैविक खाद व प्राकृतिक कीटनाशकों के निर्माण और उपयोग की संपूर्ण विधि विस्तार से बताई। उन्होंने प्राकृतिक खेती के मुख्य उद्देश्यों पर भी चर्चा की।

प्रगतिशील किसानों का हुआ सम्मान

अनुविभागीय अधिकारी कृषि सुश्री अर्चना डोंगरे ने सभी अतिथियों व कृषकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने एवं कृषि लागत में कमी लाने की अपील की।

शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरोध में प्रदेश शिक्षक संघ ने सौपा ज्ञापन

सिवनी नवभारत। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष अविनाश पाठक के नेतृत्व में 23 अगस्त 2010 के पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों को टीईटी शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता से स्थाई रूप से मुक्त किए जाने की मांग करते हुए देश के प्रधानमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौपा गया ।

ज्ञापन में मांग की गई है कि देशभर के लाखों शिक्षकों में वर्तमान समय में गहरी चिंता पीड़ा एवं असुरक्षित की भावना व्याप्त है। इसका कारण 23 अगस्त 2010 को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा जारी शिक्षक पात्रता परीक्षा संबंधी अधिसूचना तथा उसके संदर्भ में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 29 मई 2026 को दिए गए निर्णय से उत्पन्न परिस्थितियां हैं जिसके कारण वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के सेवा अधिकारों एवं भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की अशंका व्यक्त की जा रही है। यह निर्णय भारतीय विधिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था के स्थापित सिद्धांत जिसमें अधिसूचना उसके प्रवर्तन तिथि से प्रभावित होती है के विरुद्ध है। दशकों से सेवा दे रहे शिक्षकों के अनुभव, कार्य कुशलता एवं योगदान को समुचित महत्व दिया जाना चाहिए। सांसद एवं केंद्र सरकार आवश्यक विधायी अथवा नीतिगत हस्तक्षेप कर शिक्षक वर्ग को उचित संरक्षण प्रदान कर सकती है। इस नियम के लागू होने से न्याय ,समानता एवं विधिक निष्पक्षता के सिद्धांतों की अवहेलना हो रही है।

शिक्षक संघ के जिला मीडिया प्रभारी बृजकिशोर शर्मा ने कहा कि संघ को विश्वास है कि राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इस शिक्षक वर्ग के साथ भारत सरकार संवेदनशीलता, दूरदर्शिता एवं न्याय पूर्ण दृष्टिकोण का परिचय देगी। ज्ञापन के दौरान संघ के जिला सचिव संतोष सूर्यवंशी, कोषाध्यक्ष के एल पटले, उपाध्यक्ष सचिन जैन, एवं विभिन्न विकास खंडों से मनोज कश्यप, परशुराम सनोडिया, रघुनाथ चौकसे, उमेश उइके , राम ठाकुर श्रीमती सरोज मरावी, श्रीमती मैडम धुर्वे, जैस पटले ,श्री हरिखेड़े, गफ्फार खान अजय यादव एवं बड़ी संख्या में शिक्षक प्रतिनिधि पदाधिकारी उपस्थित है।

10 लाख का खेल मैदान या भ्रष्टाचार का मैदान?

महाराणा प्रताप जयंती पर वीरांगनाओं ने किया माल्यार्पण,

बरघाट। अंतरराष्ट्रीय क्षत्रिय वीरांगना महासभा, सिवनी द्वारा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती के अवसर पर बरघाट स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उपस्थित वीरांगनाओं एवं समाजजनों ने महाराणा प्रताप के अद्वितीय शौर्य, त्याग, राष्ट्रभक्ति एवं स्वाभिमान को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में समाज की एकता पर बल देते हुए सभी क्षत्रिय परिवारों से संगठित रहने एवं महाराणा प्रताप के आदर्शों का अनुसरण करने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन संघर्ष, आत्मसम्मान और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देता है, जो आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक है। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय क्षत्रिय वीरांगना महासभा की प्रदेश महासचिव सविता गौतम, जिला अध्यक्ष खुशहाली चौहान, जिला संरक्षक शोभा राजपूत, उपाध्यक्ष, संध्या राजपूत एवं आकांक्षा सेंगर सहित अन्य की उपस्थिति रही।

सिवनी/कुरई नवभारत। जनपद पंचायत कुरई अंतर्गत ग्राम पंचायत बिछुआमाल में लगभग 10 लाख रुपये की लागत से निर्मित खेल मैदान को लेकर विवाद गहरा गया है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और खर्च की गई राशि पर सवाल खड़े करते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय तकनीकी एवं वित्तीय जांच की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि खेल मैदान निर्माण के लिए लाखों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद धरातल पर कार्य अपेक्षित स्तर का दिखाई नहीं देता। उनका कहना है कि निर्माण की वास्तविक स्थिति और स्वीकृत राशि के बीच बड़ा अंतर नजर आ रहा है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

मामले को लेकर जब संबंधित अधिकारियों से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो स्पष्ट जवाब नहीं मिल सका। इससे ग्रामीणों के मन में संदेह और गहरा गया है। उनका कहना है कि यदि विकास कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ हुए हैं तो संबंधित विभाग को सार्वजनिक रूप से इसकी जानकारी उपलब्ध करानी चाहिए। जनपद पंचायत कुरई के अध्यक्ष लोचन सिंह मर्सकोले और उपाध्यक्ष हरदीप सिंह भाटिया ने भी मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने संबंधित उपयंत्री के कार्य व्यवहार पर सवाल उठाते हुए उनके स्थानांतरण की मांग प्रशासन से की है। ग्रामीणों ने मांग की है कि खेल मैदान सहित पंचायत में हुए सभी विकास कार्यों की स्वतंत्र तकनीकी और वित्तीय जांच कराई जाए। उनका कहना है कि निष्पक्ष जांच से यह स्पष्ट हो जाएगा कि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार हुआ है या नहीं। बिछुआमाल का यह मामला अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन शीघ्र हस्तक्षेप कर मामले की जांच कराएगा।

लापरवाही हॉस्टल अधीक्षक मयूर महाजन भी अपने कार्य के प्रति नहीं दिख रहे जिम्मेदार, रसोईये ने अपनी जगह लगा दिया मजदूर

नया शैक्षणिक सत्र आरंभ छात्रावास से रहते है, कर्मचारी नदारद...

उगली नवभारत। सिवनी जिले के अंतर्गत आने वाले विकासखंड केवलारी के उगली के अंतर्गत निकट ग्राम मोहबर्रा सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास मोहबर्रा में नए शैक्षणिक सत्र का आरंभ हो चुका है, और स्कूलों में प्रवेश उत्सव का कार्यक्रम चालू हो गया है नए सत्र के प्रवेश और अन्य गतिविधियां संचालित होने भी लगी है.

लेकिन दुर्भाग्य का विषय छात्रावास में अधीक्षक, रसोईया, जलवाहक व चौकीदार सभी पूरा स्टाफ मौजूद होने के बाद भी पिछले सत्र की परीक्षा अवधि समाप्ति के बाद से आज दिवस तक रसोईया अरुण चंद्रौल जो केवल औपचारिकता के आधार पर

रसोईया के पद पर होने के बाद, अपने हॉस्टल में औपचारिक्ता अदा करते हैं, इन्होंने अपने कार्य में बाधा ना आए इसलिए एक मोहबर्रा के संतोष रांहगडालें को मजदूरी में अपने कार्य पर रख लिया था, जिन्हें रुपए 5000 मासिक भुगतान के आधार पर रखा गया था, जिसको उसकी मजदूरी का भुगतान भी बकाया है, दूसरी गंभीर बात हॉस्टल अधीक्षक मयूर महाजन यह भी अपने कार्य के प्रति जिम्मेदार दिखाई नहीं पड़ते, आए दिन जिला मुख्यालय और अन्य दूसरी गतिविधियों में व्यस्ततम ही दिखाई देते हैं, अगले कर्मचारी मोहबर्रा के ही एक सातुलेजी हैंहैं, जो बतौर चौकीदार है, और आगामी दो महिने बाद सेवानिवृत हो जाएंगे केवल एक जलवाहक लक्ष्मी रांहगडाले से जब पत्रकारों के दल ने गत दिवस हॉस्टल का निरीक्षण किया तो पता चला कि रसोईया पद पर अरुण चंद्रौल ने 16 जून को हॉस्टल आकर साफ सफाई साथ में करेंगे ऐसा बोला था, लेकिन आज 20-21 तारीख हो गई है उनका कोई अता पता नहीं है। इस संदर्भ में हॉस्टल अधीक्षक से जब पूछा गया तो उन्होंने बताया कि नियमित सभी कर्मचारी हॉस्टल आते हैं, हॉस्टल की गंभीर स्थिति यह है, कि नए प्रवेश के लिए प्रबंधन के पास वहां पर फार्म उपलब्ध नहीं है, बिजली व्यवस्था हॉस्टल की ठप्प पड़ी है, क्योंकि छात्रावास में विद्यालय को घर जैसा माहौल प्रदान किया जाए इसलिए यह सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, हॉस्टल के निकट ही उगली क्षेत्र की शान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहबर्रा संचालित होता है, विद्यालय के निकट हॉस्टल के हाल-चाल ऐसे हैं।

जिले के बैठे हुए संवेदनशील अधिकारी कलेक्टर से प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से ग्रामीणों ने निवेदन किया है कि शीघ्र मोहबर्रा सहित उगली, सरेखा, पां.छपारा के सभी हॉस्टलों का शीघ्र निरीक्षण कर यहां की वस्तु स्थिति का जाएजा लेकर संबंधित कर्मचारीयों को अपने दायित्व का पालन करने के लिए प्रेरित करें और शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएं।